4. केले के पौधों में लगे विविल के हालचाल पर निगरानी रखें अगर विवल लंबावत कटा तना जाल की ओर आकार्षित होना शुरू हो जाए तब उस जाल में (100/हेकटर) की मात्रा में रखकर उसमें बायोकंट्रोल एजेंट जैसे ब्युवेरिया बेसीआना या 20 ग्रां एनटीमोपेथीजिनिक सूत्रकृमी डाल दें ए।इन बायोकंट्रोल एजेन्ट को तडा जाल में लगाकर कटा हुआ भाग जमीन की तरफ रखें।

बायोकंट्रोल एजेंट
(एनटीमोपेथीजिनिक सूत्रकृमी)

विविल से एनटोमोपेथोजिनिक
सूत्रकृमी निकाल रहा हैं

6. फीरमोन जाल को (5 जाल / हैक्टर) की मात्रा में विविल को पकडे और उसे मार दें।

फेरोमोन जाल

विशेष जानकारी के लिए निम्न पते पर सम्पर्क करें

निदेशक
राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
तोगमलै रोड, तायनूर पोस्ट, तिरुच्चिराप्पल्ली - 620 102,
तमिलनाडु, भारत

प्रसार फलक हिन्दी-2

केले कंद छेदक या घुन (कार्म विविल)

(कॉरमोपोलिटीस सॉरडीडस)

डॉ. बी.पद्मनाभन एवं डॉ. एम.एम.मुस्तफा

राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
तोगमलै रोड, तायनूर पोस्ट,
तिरुचराप्पल्ली - ६२० १०२, तमिलनाडु, भारत

केले के तीस तरह के अलग अलग कीटों में से केले का कार्म विविल *(कॉस्मोपोलीटीस सॉडीडस)* सबसे ज्यादा हानि पहुँचावाले कीट हैं जो केले की उत्पत्ति को कम करता है ।

फैलाव :

कंद छेदक सभी केले उत्पादन क्षेत्र में पाये जाते हैं जैसे तमिलनाडु, केरला, आँध्र प्रदेश, कर्नाटक , उडीसा, प.बंगाल, बिहार, गोआ, पाँडीचेरी, आसाम, उत्तर-पूर्व पहाडी इलाका ।ज्यादातार बिकने वाले उत्पादन जैसे मेलभोग, करपूरावल्ली, रोबस्ता,नेन्द्रन, लाल केला और येल्लाकी ही इस कीट से प्रभावित है।

लक्षण :

पौधे लगाने के कुछ दिन बाद इस कीट का प्रकोप होने से पौधों की वृद्धि धीमी हो जाती है और पौधे बीमार दिखाई पडते हैं।पत्तियों मे पीली रेखायें दिखाई पडती है। ज्यादा प्रभाव बढने पर पौधों का शीर्ष भाग झुका हुआ दिखाई देता है पत्तियों का आकार बहुत छोटा एवं घेर बहुत छोटी निकलती है।

कंद में नुकसान के कारण
पत्तियाँ पीला पडना

कंद में नुकसान के लक्षण

जीवन चक्र :

पूर्ण विकसित कीट पौधे के शीर्ष में पाये जाते हैं जहाँ कंद और तना मिलते है।पूर्ण विकासित कीट अंडे जगह-जगह पर एक एक अंडा देती है। अंडे कंद के अंदर सतह पर या दरारों में पाये जाते है।

अंडे 7-14 दिन बाद फूटते है, लार्वा की स्थिति 2-6 सप्ताह तक रहती है।प्यूपा बनने का कार्य एक सप्ताह में पूरा हो जाता है।

एकीकृत कीट प्रबंध

केला कंद छेदक का प्रकोप निचे दिये गये विधि को अपनाने से कम किया जा सकता है।

1. प्रभावित एवं सूखी पत्तियों को काटकर निकाल देना चाहिए। ऐसा करने से कीट का प्रभाव कम होता है ।
2. पौधे की बाहरी जड़ और ऊपर के छाल को निकाल दे । पौधे को मोनोक्रोटोफोस के धोल (14 मि.ली/ 1 ली पानी) में 20 मिनट तक डुबाकर रखें तकि उसे जो भी कीट के अंडे या विकसित कीट हो वे मर जाये ।
3. झूठे तना को कटाई पर निकाल दे और उसपर कार्बारिल याा क्लोरोपैरिफोस (2.5 मिली / लि) का छिडकाव करे।

तना जाल में
बायोकंट्रोल एजेंट (ब्युवेरिया बेसीआना)

केले के ठँठ पर चक्र जाल

लंबावत कटा तना जाल

विविल से कीट नाशक
फफुंद निकालरख हैं